

آيَاتُ الْكَوْنِ وَفَتْرَةِ رَبِّهِ السَّامِعِ

المجلد الثالث عشر من سلسلة مؤلفات العلامة العظمى السيد محمد باقر المجلسي

مجلد ۱۵



تصحیح و تصحیف جناب آقای محمد حسن الدین جباری که این کتاب را به نام خود در دست آورده است

در مطبع بیخبر واقع بجوار

M.A. LIBRARY, A.M.U.



AR726



بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

مَشْرُوعِ کَرَامَتِ اِس کتاب کو تشریف نام اللہ کو منیر مسلمان کو مبارک اور شہید کو مونس و

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالْعَاقِبَةُ لِلْمُتَّقِينَ وَ

سبکدوش کی شناخت اس کے اندر کو پائی والہ عالمین کا اور دنیا عانت کو مونس و

الصَّلَاةُ عَلَى الْمَوْصِي الْأَقَرِّ مُحَمَّدٍ وَآلِهِ أَجْمَعِينَ

اور حرمت خدا کی اس نظم پر ہم سب کا نام پاک محمد سے اور اس کی سبکدوش

وَعَبْدٌ قَنِيعٌ وَالصَّلَاةُ الْمَدِينَةُ الْحَتَّاجُ إِلَى تَشْفِئَتِهِ

پر کہتا ہے بندہ گنہگار حاجت مند شفاعت

النَّبِيِّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ الشَّيْخُ مُحَمَّدٌ مُسَبَّحٌ

نبی کریم کا حرمت کرے خدا اس پر شیخ محمد مبارک

الْمَشْهُورُ يَا بَنِي سَعْدِ بْنِ أَبِي النَّخَعِ عَلَى الْمَعْرُوفِ

مشہور یا بنی سعد بن ابی النخاع علی المعروف

مشہور ابو سعید یحییٰ شیخ علی کا جو معروف ہیں

بِقَضْلِ اللَّهِ الْحَرَمِيِّ النَّبِيِّ بْنِ النَّخَعِ كَرَمِي

بقاضی اللہ الحرمی نبی بن النخاع کرمی

بنام فضل اللہ محمد بن علی کے اور یحییٰ بن شیخ

[illegible]

أَسْعَدَ كَرَّمَ اللَّهُ تَعَالَى وَرَأَيْنَا أَنَّ لَمْ يَسْأَلْهُ

نیکی دیوئے شکو اللہ تعالیٰ اور ہمکو یہ پاک اور بلند

وَلَقَالِي هُوَ الْوُجُودُ الْمُسْطَلِقُ وَإِنْ ذَاكَ

صرف وجود مطلق ہے اور یہ بات کہ

الْوُجُودُ لَيْسَ لَهُ شَكْلٌ وَلَا حَدٌّ وَلَا

اس وجود کو نہ شکل ہے اور نہ حد اور نہ

حَصْرٌ وَمَعَ هَذَا أَظْهَرَ وَتَجَلَّى سِرِّ الْحَمْدِ

اندازہ مابعد اس کے ظاہر ہوا اور تجلے کے ص

وَالشَّكْلِ وَلَمْ يَبْعَثْ بَحْمَا كَانَ مَعْنَى

اور شکل اور نہیں فرق کیا اس

عَدَمِ الشَّكْلِ وَعَدَمِ الْحَدِّ لَكِنِ الْخَمَامِ

بے عملی اور بچہدی میں بلکہ ایک دوسرا ہی ہے عیا

وَإِنَّ الْوُجُودَ وَاحِدٌ وَلَا كُنْشَ مَخْتَلِفَةً

اور یہ بات کہ وہ وجود ایک ہے اور لباس اگر رنگ اور بچہ

وَإِنَّ ذَاكَ الْوُجُودَ حَقِيقَةً جَمِيعِ الْمَوْجُودَاتِ

اور یہ بات کہ وہ وجود اصل ساری جان کا

وَيَاجِئُهَا وَإِنْ جَمِيعِ الْكَائِنَاتِ كَيْفَ لَوْ أَنَّ ذَاكَ

اور باطن اسکا ہے اور یہ بات کہ سب جہان نہیں خالی اس

الْوُجُودِ وَإِنَّ ذَاكَ الْوُجُودَ لَيْسَ مَعْنَى الْحَقِّقِ وَ

وجود سے اور یہ بات کہ وہ وجود کسے تحقق اور

Handwritten marginal notes in Urdu script, likely commentary or additional verses, written diagonally along the left edge of the page.

Handwritten marginal notes in Urdu script, likely commentary or additional verses, written diagonally along the bottom edge of the page.



الحصول لا لهما من المعاني المصدرة ليست

حصولی ہیں کیونکہ تحقق اور حصول دونوں میں معانی مصدر سے ہیں اور

من الموجودین في الخارج فلا يطلق الوجود

یہ دونوں خارج ہیں موجود ہیں پس نہیں بولا جاسکتا لفظ وجود

هذا المعنى تحت الوجود في الخارج تعالى عن ذلك

ان معنوں سے جدا ہے کیونکہ خدا موجود ہے خارج ہیں پس اس کا الیہ

علموا كثيرا بل علمنا بذلك الوجود الحقيقي

افلا سے نہایت علم بلکہ مراد علمی میں اس لفظ وجود سے ایک حقیقت

المتصف بصفات الخلق وجودها بذاتها

جو رسمی ہو یہ صفات میں ہے یعنی اسلی خود بخود ہے

ووجود سائر الموجودات هي اذاتنا عن غيرها في

اور ہمیں سب موجودات کی اس سے اور ہوا اس کے سوا

الخارج وان ذالك الوجود من حيث الوجود

خارج میں اور یہ بات کہ وہ وجود از روئے اس کے ہے اور نہ کسی

يتكشف احكام كذا في العقل لا الوهم والخيال

ظاہر ہوتا کسی پر اور نہ اس کے واسطے عقل اور نہ وہم اور نہ خیال

ولا كالي في القياس ان الحداث والحدوث

اور نہ ہر حدیث میں کیونکہ یہ سب محدث ہیں اور محدث محدث

الا لحدوث تعالى ذات وصفات عن ذالك علموا لئلا

کہ سنو کہ نہیں پاسکتا اعلیٰ سے ذات اور صفات ان کو ان بالواسطہ نہایت زیادہ

علم حاصل ہوا اور نہ اس کے واسطے عقل اور نہ وہم اور نہ خیال  
ظاہر ہوتا کسی پر اور نہ اس کے واسطے عقل اور نہ وہم اور نہ خیال  
ولا كالي في القياس ان الحداث والحدوث اور نہ ہر حدیث میں کیونکہ یہ سب محدث ہیں اور محدث محدث  
الا لحدوث تعالى ذات وصفات عن ذالك علموا لئلا کہ سنو کہ نہیں پاسکتا اعلیٰ سے ذات اور صفات ان کو ان بالواسطہ نہایت زیادہ

سب سے زیادہ علم حاصل ہوا اور نہ اس کے واسطے عقل اور نہ وہم اور نہ خیال

وَمَنْ أَرَادَ مَعْرِفَتَهُ مِنْ هَذَا الْوَجْهِ وَسَعَى

اور جو کوئی چاہے پہچان اس کی اس طرح اور کوشش کرے

فِيهِ فَقَدْ صَبَحَ وَقْتَهُ وَإِنْ لَكَ الْوُجُودُ

اس میں ضرور متعلق کر لگا اوقات اپنی اور یہ بات کہ اس وجود کے

تَسْرِيبُ كَثَائِدُ الْمَرْتَبَةِ الْأُولَى هِيَ تَبَتُّ الْآلَاءِ تَعْلِيْقُ

رتبے کے تین پہلے سلامتیہ لائقین

وَالْأَطْرَاقِ وَالذَّاتِ الْبَحْتِ لَا يَتَعَفَى أَنْ قَيْدَ

اور اطلاق اور ذات بخت کا ہے یہ معنی ہمیں کہ قید

الْأَطْرَاقِ وَمَعَهُمْ سَلْبُ التَّعْلِيْقِ تَابِتَانِ فِي ثَلَاثِ

الطرائق کے اور معنی سلب تین کے پائے جاویں اس

الْمَرْتَبَةِ الْوُجُودِيَّةِ فِي ثَلَاثِ الْمَرْتَبَةِ

تین میں بلکہ یہ تین میں کہ یہ وجود اس مرتبے میں

وَالْأَصْنَافُ الْخَوَاتِمُ وَالْمَقْدُورُ عَلَى كُلِّ

کے ہے نسبت لغوی اور معنوی سے اور پاک ہے ہر

الْمَرْتَبَةِ الْوُجُودِيَّةِ الْوُجُودِيَّةِ الْوُجُودِيَّةِ

تین نام مرتبہ احدیت کائنات اور یہ کہ خدا پاک

وَالْعَالِي وَلَيْسَ قَوْحًا مَرْتَبَةٍ أُخْرَى

اور بلند کے ہے اور نہیں اس کے اور کوئی مرتبہ بلکہ

Handwritten marginal notes in Urdu script, providing commentary and explanations for the main text. The notes are written in a cursive style and cover the left margin of the page.

Handwritten marginal notes in Urdu script, providing commentary and explanations for the main text. The notes are written in a cursive style and cover the bottom margin of the page.

مَجْلِسُ الْمَرَاتِبِ تَحْتَهَا وَالْمَرْتَبَةُ الثَّانِيَةُ

سب مرتبے اسکے نیچے ہیں اور مرتبہ دوسرا

مَرْتَبَةُ الْمُتَعَيِّنِ الْأَوَّلِ وَهِيَ عِبَارَةٌ عَنْ

مرتبہ تعین اول کا ہے اور اس سے مراد ہے

عَلَيْهِ تَعَالَى لِكُلِّ ذَاتٍ وَصَفَاتِهِ وَبِحَجْمِ

جان لینا حواسے تمام ذات اور صفات اور تمام

الْمَوْجُودَاتِ عَلَى طَرِيقِ الْأَجْمَلِ مِنْ

موجودات کو بطور اجمال کے یعنی اکابر ہے

عَالِمِ إِمْدِيَارٍ لِبَعْضِهَا عَنْ لَبْصِ

جس سے ایک دوسرے میں فرق ہو

وَهَذِهِ الْمَرْكَبَةُ لَشَيْءٍ بِأَلَوْحِكَ

اور اس مرتبہ کا نام وحدت

وَالْحَقِيقَةُ الْخَمَلَةُ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ

اور حقیقت محمدی ہے رحمت کے خدا اپنے

وَسَلَّمَ وَأَمْرُ تَبَةِ الثَّالِثَةِ مَرْكَبَةُ الْمُتَعَيِّنِ

اور سلام اور تیسرا مرتبہ مرتبہ تعین

الثَّانِي كَوْنِ عِبَارَةٍ عَنْ عَلَيْهِ تَعَالَى

ثانی کا ہے اور اس سے مراد ہے جان لینا حواسے تمام

لِكُلِّ ذَاتٍ وَصَفَاتِهِ وَبِحَجْمِ الْمَوْجُودَاتِ

ذات اور صفات اپنی کو اور سب موجودات کو

توضیح میں بیان کیا کہ اس مرتبہ میں جو کچھ ہے وہ سب اس کے تحت ہے اور اس سے مراد ہے جان لینا حواسے تمام ذات اور صفات اور تمام موجودات کو بطور اجمال کے یعنی اکابر ہے جس سے ایک دوسرے میں فرق ہو

توضیح میں بیان کیا کہ اس مرتبہ میں جو کچھ ہے وہ سب اس کے تحت ہے اور اس سے مراد ہے جان لینا حواسے تمام ذات اور صفات اور تمام موجودات کو بطور اجمال کے یعنی اکابر ہے



سبباً چھدا اوز ایک دوسرے

بن فرق کر کے ادرااس مرتبہ کا نام

واجبیت اور حقیقت

ادریس تیمون مرتبہ قدیمی ملن اور الکلا

سے کہ ہوتا صرف نقلی ہے زمانہ انہیں اور مرمت

سید ابوالفتح محمد بن علی بن ابی طالب علیه السلام

١٠٠

۱۔ تسمیہ جو عالم کون سی ہیں اور مجھ کو غیر مرید

١٧٠٠

ثُمَّ مَسَّ عَلَامُ الْبَيْتِالِ فَوَجَّهَ عِيَالَهُ خِشْنَ الْأَشْيَاءِ وَاللَّيْلِ

9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 8

لطیفہ سے بخونہ طکرے ہو سکتا ہے اور نہ جدا جدا اور نہ

س الجليلي

وہی ہے جس نے



سال خانی اور دوسرا کمال اسماعیلی

14. 6. 05



لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ بِهَذِهِ الْمَشَاهِدِ تُمَسِّتَعْفَى عَنْ

کہ خدا سے بقیہ کے سبب اس مشاہدہ کی مسقتی ہے

ظُهُورِ الْعَالَمِ عَلَى وَجْهِ التَّفْصِيلِ لَا حَاجَةَ

ظہور عالم سے جو بطور تفصیل ہو بہین حاجت

لَهُ فِي حُصُولِ الْمَشَاهِدِ إِلَى الْعَالَمِ وَمَا فِيهِ

اسکو اس مشاہدہ کی حصول میں جہان اور جہان کی چیزوں سے

لَا أَنَّ مَشَاهِدَةَ جَمِيعِ الْمَوْجُودَاتِ حَاصِلَةٌ

کیونکہ مشاہدہ سب موجودات کا حاصل ہے

لَهُ كَمَا لِي عِنْدَ إِنْذِرَاجِ الْكُلِّ فِي لُطُونِهِ وَ

اسکو سبب سدرج پرستہ لے کے اس کے لپٹوں اور

وَحْدَتِهِ وَهَذِهِ الْمَشَاهِدَةُ تَكُونُ مُتَهَوِّدًا

وحدت میں اور یہ مشاہدہ کہلاتا ہے شہود

تَفْصِيلًا عَلَى مَا كُنْتُ فِي الْمَقْصِلِ فِي الْجَمْعِ

غیبی علی شکل شہود مفصل کے مجمل میں

وَالْكَثَائِرُ فِي الْوَاحِدِ وَالْفُضْلُ مَعَ الْأَعْصَانِ

اور مشہور کثیر کے واحد میں اور مثل شہود و برکت اور غنوں پر

وَلَوْ الْبَعْدُ فِي التَّوَكُّلِ الْوَاحِدَةِ وَأَمَّا الْأَمَّا

اور پہل اور غنوں کے ایک کثرت میں اور وہ کمال

الْأَسْمَاءِ فَهِيَ عِبَارَةٌ عَنْ ظُهُورِهَا عَلَى

ان اسماء مراد ہے ظہور خدا سے برتر ہے

لا  
راوی  
بین نام اس علی اور شاہد کا  
فہین اور سب سے اور علی  
علی کو اسو اسطہ کھینچ  
کے سبب اور اسے لپٹوں  
تو اسے لپٹے جو اسے لپٹوں  
علی میں اسے لپٹوں  
اور اسے لپٹوں  
کے سبب اور اسے لپٹوں  
والت کونین اور اسے لپٹوں  
جانتے ہیں  
مولوی  
ابن  
مکمل









الْمَنَافِعِ الْعَالِيَةِ إِنَّكَ الْوَجُّدُ بِأَعْيُنِ بَارِئِ

صفت کمال اس وجود کے اعتبار

كَلِمَتِهَا وَأَطْلُقُهَا سَائِرَ فِي جَمِيعِ الْمَجُودَاتِ

تکلیف اور اطلاق کے ساری بین تمام موجودات میں

الْمُجُودَاتِ بِكَيْفٍ تَكُونُ تِلْكَ الْمَقَامَاتِ

چنانچه ۱۰۰ صفت کامل

الْحَمْدُ لِلَّهِ فِي ضَمَنِ صَفَاتِ الْمَوْجُودَاتِ بِمَنْ

سائنس سہولیات موجود ہیں

صَفَاتِ الْمَوْجُودَاتِ كَمَا كَانَتْ

صفات موجودات کے ہیں چاہے کہ

صفات الموجودات قبل الظهور

صفات موجودات کے ظہور سے پہلے

فِي تِلْكَ الصَّفَاتِ الْكَامِلَةِ عَيْنِ تِلْكَ

ان صفات کاملہ ہیں عظیم آن

الصفات الكاملة وإن العالم

نصف سہ لاکھ چالیس ہزار روپے

جنازة اعراض و المعروض من الجواهر  
 اسم المرحوم: ابو الحسن بن ادریس بن مرتضی و بنی و بنی و بنی

إِنَّ لِلْعَالَمِينَ لَكُم مَوَاطِنَ أَحَدُهَا

وہ لوہے کے پائپ کے اس عالم کے تین سوطن میں ہیں

١٠٠

11/20/1990 14:00 10/27/1990 17:40

[illegible]

التَّائِيْنِ الْاُولَىٰ لَيْسَ فِيْهِ شَيْءٌ نَّكَارٌ وَ

تائین اولی اور اس سوا میں نام عالم کا نہیں تھا

ثَانِيهَا السَّعِيْنِ الْاُولَىٰ وَلَيْسَ فِيْهِ اَعْيَانٌ نَّكَارٌ

دوسرا تائین ثانی اور اس میں نام انکا اعیان

ثَابِتَةٌ وَتَالِثُهَا فِي السَّابِغِ لَيْسَ مَعِي

ثابتہ تہا تیسرا سابغ میں

فِيْهِ اَعْيَانٌ نَّكَارٌ جِسَّةٌ وَاِنَّ الْاَعْيَانَ

اعیان خارجیہ کہلاتی ہیں اور یہ بات کہ ان اعیان

الثَّابِتَةِ مَا شَمِتَتْ رَايَةَ الْوُجُودِ

ثابتہ نے جو وجود کے ہی نہیں سوئے

وَاِنَّ السَّابِغَ الظَّاهِرَ اَحْكَمُهَا وَ

اور جو ظاہر ہوتا ہے سب سے احکم اور

اَتَاهَا وَاِنَّ الْمُدْرِكَ فِي كُلِّ شَيْءٍ هُوَ

الذی اراہہ کل شیء اور اس میں آتا ہے ہر شے میں سے وہ

الْوُجُودِ وَكَوْنِ اسْطِطَاعِهِ يَدْرِكُ خِلَافَتِ

وہی وجود ہے اور اس کے طریق سے وہ سب ادارہ میں

الْبَشِيَّةِ كَالشُّوْزِ بِالنَّهْرِ اِلَى مَسَابِرِ

آتی ہے جیسے کہ نور نسبت تابا ہے

الْاَلْوَانِ وَالْاَسْكَالِ وَلَا جُلْدَ وَاَمَّ الظُّمُودِ

رنگین اور مشکون کے اور صوبہ سمیت

۱۷

عالم کے میں کہ فی الحقیقت  
اولان کہہ دیو دین رکنی  
بلکہ کبیر شعل نورانی  
جنب خاکسے نورانی  
نظرانی میں نورانی  
نورانی میں نورانی  
لیکن یہی ہے  
ظاہر ہوتا ہے  
تقدیرات و قیاس  
گو تاگون نظرانی  
ہستی سے پہلے  
جسے اولان  
شے نورانی  
تغایب اشغال  
کچھ گیا





خدا که خلق عالم و مدار قلم است

۱۰  
 اسرار الہیہ کا نام  
 اصطلاح صوفیہ میں  
 درجہ علم الیقین کا  
 اور اس کے درجہ و اولاد  
 کو اہل علم و اہل یقین  
 کہتے ہیں اور اہل یقین  
 کو صوفیہ کہتے ہیں  
 چھ ۱۲ اصطلاح  
 سب سے پہلے  
 اس کے بعد  
 حق تعالیٰ کا نام  
 اور اس کے درجہ و اولاد  
 کو اہل علم و اہل یقین  
 کہتے ہیں اور اہل یقین  
 کو صوفیہ کہتے ہیں  
 چھ ۱۲ اصطلاح  
 سب سے پہلے  
 اس کے بعد



تہوں سے اور ہم بات کہ سبب موجودات

مرتبوں سے اجورہیم بات کہ سبب موجودات

۲۰  
بسم الله الرحمن الرحيم

مِنْ حَتَّى الْوَجُودِ عَيْنُ سُبْحَانَكَ تَقَالِي وَ

[illegible]

عالم زبان ہے اور درجہ  
علم یقین کا ہی ان کا  
جامعہ مسلمین جو کچھ لکھا  
نہ جس سے علم نہایت  
ادب میں ہو دے

رات سے وقت  
 کے بعد  
 عظمیٰ کا  
 دھڑکیں  
 کا تو کیا یا یا  
 عالم کی  
 کے لئے

قَالَ كُلُّهُوَ الْحَقُّ سُبْحَانَكَ لَعَالِي وَمِثَالِهِ

سب کے سب خدا پاک ہے مین اور سب کے سب

الحجاب والموء) واور سچ واپس

مِنْ حَلِيتِ تَحْقِيقًا عَلَى الْمَاءِ وَمِنْ حَيْثُ التَّعَامِلِ

از روئے تحقیق کے عین پاسکامین اور روئے لغتین کے

عمر باقی کے اور اس طرح سب اب از روئے تحقیق کے عین

اَصْوَابُ وَمِنْ حَيْثُ التَّعَانِي عَنِ الْهَوَاءِ وَشَرِبَ الْخَمْرَ

فهي بصورة الماء في الحقيقة والدلائل الدالة

چرا با این تصویرت بین ظالم و ستمی حقیقت میں اور دلدین والو

وحدت وجود پر بہت اہل سوجو قدان میں سے ہیں آئیں ہی یہ قول خدا کا

١٥٠

*Journal of Management Education* 30(6)

وَاللَّهُ الْمُسْتَرْشِدُ وَالْمُعِزُّ وَأَنْتُمْ أُولُو الْأُلْسُنَةِ وَجْهٌ

آیه شریفه اور : "تقرب خدا کی" و در سر و بند کرد ادب و ای ذات

اللَّهُ وَتَحْتَ خَشْيَةِ اللَّهِ مِنْ جِبِلِّ الْوَرِيدِ وَوَحْدِ

نقد الی ہے اور روٹین بہت تر قیاس بندہ کی ہوں شاہرہ سی ای اور

مَعْلَمُ الْغَالِبِ وَنَحْنُ اقْرَبُ إِلَيْهِ مِنْهُمُ

خدا ساجده تمجیدی از جهان بهو کمر افیضین نزد یک ترنمون پیغمبر کرم

وَلَا يَنْفَعُكُمْ دِينُ الْكَافِرِينَ أَلَمْ تَرَ أَنَّ الْكُفْرَ كَمَثَلٍ لِقَوْمٍ سَاقَطَ فِيهِمُ الْقَوْمَ الْكَافِرِينَ

نہایت پریم ہیلن ڈیکریپٹ کہ وہ لوگ جو بیوی کر تے ہیں اسی طرح مرتد کے

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا اتَّقُوا اللَّهَ فَمَا كَانَ لَهُ أَنْ يَهْدِيَ الْقَوْمَ الْأَمْشَرَاءَ أَلَمْ يَهْدِ لَهُمْ بَدِلًا إِلَى سَبِيلِ اللَّهِ فَاتَّقُوا اللَّهَ أَلَمْ يَعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ شَدِيدُ الْعِقَابِ

ضرور دہ سوت کرتے ہیں خدا کی رضا کا ہاتھ انکے ہاتھ نہ رہتا ہے وہی راہ ہے

وَالْخَمْرُ وَالظَّالِمُ وَالْبَاطِلُ وَهُوَ كَمَا شِئِيَ

وہی آکر ہے اور وہی ظاہر اور وہی باطن اور وہی ہے کو خوب

عَلَيْهِمْ وَفِي الْقُسَيْمَةِ أَفَرَأَيْتُمْ بَعْضَهُمْ كَوَادِ

عاقبت میں اور وہ یقین میں ہے کہ انہیں نہیں دیکھ سکتے اور جب

سَنَّاكَ عَمَادِي عَنِّي قَالِي قَرِيبٌ وَمَا صَدَقَ

لے تھیں۔ چنانچہ اس کے مخالفین نے اس کے خلاف کیا کیا اور تو تیار ہو کر کہیں نہ ہو گیا۔

وَرَمَيْتُ وَلَكِنَّ اللَّهَ رَمَىٰ وَكَانَ اللَّهُ بَعْدَ

از کتب و آثار این بزرگواران که در کتابخانه این مؤسسه موجود است، به شرح زیر:

شيء مما استوفى من الآيات

1742-1743





یٰۤاَیُّهَا الَّذِیْنَ اٰمَنُوْا اَلَمْ یَاۤتِکُمُ الرَّسُوْلُ بِحَقِّ الْوَعْدِ ۚ اِنَّ اَکْثَرَکُمْ لَکٰفِرُوْنَ  
 یَقُوْلُ مَرَضْتُ وَلَمْ یَعُدَّنِیْ اِلٰی اَخْرِجُوْنِیْ  
 خدا جلتا ہے کہ میں مریں ہوا اور تو نے عداوت کی آخر حدیث نکال دے اور  
 اَللّٰهُمَّ اِنِّیْ فِیْ حَدِیْثِ طَوِیْلِ وَالْاَزْوِیْ لِقَسُ  
 تیری نے ایک بڑی ایسی حدیث میں کہ قسم ہے اس حدال کے  
 فَحَدِّثْ بَیْدَهُ کَاَنَّکُمْ وَلَسْتُمْ بِمَعْبُوْلٍ اِلٰی اَکْثَرِ  
 قصہ میں ذات محمد کے بے کار کرنا والو کے زمین پر  
 حَسْبُ عَلٰی اللّٰهِ تَعَالٰی لَسْتُمْ قَرَأَ عَلَیْکُمُ السَّلَامُ  
 تو بڑے بڑے خدا تعالیٰ پر پر بڑے بڑے حدیث کے یہ آیت کلام اللہ  
 هُوَ الْاَوَّلُ وَالْاٰخِرُ وَالظَّاهِرُ  
 کی کہ وہی اول ہے اور وہی آخر اور وہی ظاہر اور  
 الْبَاطِنُ وَهُوَ بِکُلِّ شَیْءٍ عَلِیْمٌ اِلٰی  
 وہی باطن اور وہ ہر شے کو خوب جانتا ہے اور ایسے  
 غَیْرِ ذٰلِكَ مِنَ الْاَحَادِیْثِ اُحْجِیْہَا  
 ہی بہت حدیثیں  
 وَقَالَ عَلِیُّ بْنُ الْمَدِیْنِیِّ رَضِیَ اللّٰہُ عَنْہُ  
 اور فرمایا ہے حضرت علی مرتضیٰ رضی اللہ عنہ  
 الْوَحْدَہُ اِسْقَاطُ الْاَصْنَافِ وَاسْتَاْقُوا  
 کہ وحدت دور کر دنا نسبتوں کا ہے اور جو قول

یٰۤاَیُّهَا الَّذِیْنَ اٰمَنُوْا اَلَمْ یَاۤتِکُمُ الرَّسُوْلُ بِحَقِّ الْوَعْدِ ۚ اِنَّ اَکْثَرَکُمْ لَکٰفِرُوْنَ  
 یَقُوْلُ مَرَضْتُ وَلَمْ یَعُدَّنِیْ اِلٰی اَخْرِجُوْنِیْ  
 خدا جلتا ہے کہ میں مریں ہوا اور تو نے عداوت کی آخر حدیث نکال دے اور  
 اَللّٰهُمَّ اِنِّیْ فِیْ حَدِیْثِ طَوِیْلِ وَالْاَزْوِیْ لِقَسُ  
 تیری نے ایک بڑی ایسی حدیث میں کہ قسم ہے اس حدال کے  
 فَحَدِّثْ بَیْدَهُ کَاَنَّکُمْ وَلَسْتُمْ بِمَعْبُوْلٍ اِلٰی اَکْثَرِ  
 قصہ میں ذات محمد کے بے کار کرنا والو کے زمین پر  
 حَسْبُ عَلٰی اللّٰهِ تَعَالٰی لَسْتُمْ قَرَأَ عَلَیْکُمُ السَّلَامُ  
 تو بڑے بڑے خدا تعالیٰ پر پر بڑے بڑے حدیث کے یہ آیت کلام اللہ  
 هُوَ الْاَوَّلُ وَالْاٰخِرُ وَالظَّاهِرُ  
 کی کہ وہی اول ہے اور وہی آخر اور وہی ظاہر اور  
 الْبَاطِنُ وَهُوَ بِکُلِّ شَیْءٍ عَلِیْمٌ اِلٰی  
 وہی باطن اور وہ ہر شے کو خوب جانتا ہے اور ایسے  
 غَیْرِ ذٰلِكَ مِنَ الْاَحَادِیْثِ اُحْجِیْہَا  
 ہی بہت حدیثیں  
 وَقَالَ عَلِیُّ بْنُ الْمَدِیْنِیِّ رَضِیَ اللّٰہُ عَنْہُ  
 اور فرمایا ہے حضرت علی مرتضیٰ رضی اللہ عنہ  
 الْوَحْدَہُ اِسْقَاطُ الْاَصْنَافِ وَاسْتَاْقُوا  
 کہ وحدت دور کر دنا نسبتوں کا ہے اور جو قول

وَالْوَحْدَہُ اِسْقَاطُ الْاَصْنَافِ وَاسْتَاْقُوا  
 کہ وحدت دور کر دنا نسبتوں کا ہے اور جو قول





وَلَا مِينَ مَوْحِطٍ حُرُوفٍ الْكَلَامِ الطَّيِّبِ

اور پھر لحاظ ضرورت کلمہ طہیب کے

بَلْ لَا يُؤْمِنُ إِلَّا الْمُعْتَقُ فَقَطًّا فِي كُلِّ حَالٍ وَقَدْ

بلکہ صرف سغنوں کا ہی خیال رکھنا چاہیے ہر حال میں خواہ کھڑا ہو

أَوْ قَاعِدًا أَوْ مَا يَنْشِئُ أَوْ مُضَيِّعًا أَوْ مَكْرًا أَوْ

پانچویں یا چھٹا یا سب سے پہلے یا پہلے

سَلَامًا أَوْ شَرًّا رَأَوْا كَأَنَّ الْمَوْتَى

شماره ۱۹۱

ان الله يهدي من يشاء

[illegible][illegible]

1/20/2018 10:10:10 AM

اور باطن لو غیر خدا سے پاک

پیشانی و دماغ و تن و لایزالہ و

اور سوا اسم کے اور سب کے دو لایین کرنا اور

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

بقیہ صفحہ ۱۱۱ کے منظر کے پرستہ ہو کہ یہ ہے کہ

۱۷۹۸

این و ده دست از غیر ایستادگویی میجوید و همین توکس چهره که در کاران

وایں کی طرف سے

اور کسے تیز گونا بہت کردن تو میں تہلانا ہوں کہ دہم غیرت ادو دل

\_\_\_\_\_

[illegible]



اور پھر ہنسی لایا پڑھتی اور اگر کسی علم سے پہچانتی تو ممالی غلط اور مستان  
 بے ربط سے خراب کرتے تھے اور اکثر الفاظ کے اوسنے اور کھنی سے نوبت  
 بکھر پڑتی تھی محمد کن الدین مکمل نے یا وہ ضعیف کہ یہ  
 علم ہنسن رکھتا علی الخصوص اس علم سے بالکل بے بہرہ ہے اور اگر کچھ  
 سنی ناسے یا پڑ ہے پڑا کے یا تین یا وہ بیان تو صرف وہ قالی ہیں کہ  
 اس علم کو برکات شہد مالی چاہیے کہ کچھ صحیح کر کے عبارت صحت اردو  
 سیدی میں ترجمہ کیا اور بعض بے جگہ پیر کی گئی ہے اور حسب فہم ناقص  
 اپنے کے لکھے مگر پیر ہی جیسے آج پڑھتے تھے ویسا درست نہیں سو کہ کچھ  
 واسطے تحقیقات مسائل اسکے کے تئیں یاد و طبع علم الہیہ سے و مسائل  
 مستقیم و علم توحید و لغت و درکار تھی سو آج کا کہ ان کتابوں اور یہ مالون کا  
 نو کیا ذکر یہ اصلاً نسخہ ہی نہیں ملتا تھا جس طرح جلدی ازین لست  
 طبع درست ہو رہا کیا اور منقول عنہ ہی رہا یہ تامل تھا اور لغتیں تری  
 کہ یہ سالہ پیر ہی ہزار دن بسالہ کی قیمتی سے چور آئے ہو پاس تھیں  
 صحیح اور تہتر نو کا اور سب سے زیادہ فائدہ بخش گیا۔ الہام غفرہ مستغنی  
 و صحیح و تہتر ہوا کا تھا و ان ہی فی طبہ ہما و الہام و الہام مستغنی  
 الرسول علیہ وسلم و علی الہام و الہام الہام الہام الہام الہام

(واقعہ الہام و الہام سلطان علی)

## (تحفہ مرسلہ)

پہر خاص و عام کو واضح ہو کہ یہ کتاب خاکسار نے دو بار  
 پھر منٹا نا یقیناً نہایت صحت اور صفائی کے ساتھ چھپوا لی  
 ہے اسلئے مشہور کیا جاتا ہے کہ جس جگہ کو ضرورت ہو سو سو مدد محسوس  
 ہو چکر خاکسار و عبد اللہ کتب فروش نند اچریہ شہر پورہ متصل شہر علی  
 کی دکان سے طلب کر لے

## (احسن القصص)

یہ کتاب نایاب احسن القصص معروف بہ قصہ یوسف زلیخا القصیف  
 سولانا سولوی غلام رسول صاحب کیا مکن عالم پور کوٹہ نہایت  
 نہایت صحت اور شگفتگی اور صفائی کے ساتھ چھپوا لی ہے۔ لہذا  
 جس صاحب کو ضرورت ہو قیمت عیسوی مدد محسوس لڑا آئی ہو چکر خاکسار

کی دکان سے طلب کر لے

عبد اللہ کتب فروش نند اچریہ

دکان پورہ متصل شہر علی



# اعلان



واضح ہو کہ بندہ کی دکان میں عربی انگریزی اور  
اور طبابت و نجوم اور ٹانگ وغیرہ ہر قسم کی کتب  
موجود ہیں اور تران شریف بمبئی و کانپوری ع  
عمدہ ہی میں لہذا جس صاحب کو ضرورت ہو  
وقت بہت رعایت سے لیجائیگی

اطلاشت

عبدالمجید کتب و خوش بند اچویہ دکان ہر لور



1A150



This book is due on the date last stamped. An  
-due charge of one anna will be charged for  
1 day the book is kept over time.

3075



| No.  | Date |
|------|------|
| 2029 |      |